The Hindu - 04- February-2024

Water released from Mettur dam to save Samba crops

The Hindu Bureau
SALEM

On Saturday, 6,600 cusecs of water was released from the Mettur dam to save Samba crops in Tiruvarur and Nagapattinam districts in the delta region, following an order from Chief Minister M.K. Stalin.

Following poor rainfall and Karnataka's refusal to provide adequate Cauvery water, farmers urged the State to release water from the Mettur dam to save the crops. The government formed 30 committees to evaluate the status of samba crops in Thanjavur, Tiruvarur and Nagapattinam districts. They carried out field surveys in 298 villages and found that crops on 22,774 acres would be affected due to water shortage.

Officials said that 2 TMC of water would be discharged over a period of three to four days.

Telangana Today - 04- February-2024

BRS MLA protests handover of Krishna projects to KRMB

Demands that State govt direct Board to issue clarification

STATE BUREAU
Jogulamba Gadwal

Raising objections to the State government's decision to handover Telangana projects to the Krishna River Management Board (KRMB), BRS MLA Krishna Mohan Reddy staged a protest at the Jurala project here on Saturday.

Refuting the government's claims that the projects were not handed over to the KRMB, the MLA questioned why the Board sought funds and staff for the maintenance of 15 outlets. "If the State government has not handed over the projects, it should make the KRMB issue statements to clarify people's apprehensions," Mohan Reddy said.

Raising slogans against the Congress government, he charged that the KRMB did not bother to address Telangana's concerns when Andhra Pradesh was drawing water from Srisailam to Rayalaseema. "How can people trust that the KRMB would obstruct any unauthorised drawing of water once the management of outlets was under its control," he asked.

In the last 10 years, the BRS government had opposed handing over the projects to the KRMB, he said.

BRS MLA Krishna Mohan Reddy and farmers staging a protest at the Jurala project on Saturday.

The Krishna river dispute was still pending with the Krishna Tribunal. As the issue was still pending, the Congress government handed over the projects to the KRMB. Does this not indicate that the State government has surrounded the Modi government, Mohan Reddy charged. "The Congress' idea is to hand over the supervision of Krishna to the KRMB and win the elections in Andhra Pradesh," he said.

Already, the right canal was being controlled by Andhra Pradesh and Telangana officials were denied permission to inspect it. In such a scenario, if the projects were under the KRMB's ambit, it would affect Telangana's interests adversely, he said.

Chief Minister Revanth Reddy is conspiring to promote the Narayanpet-Kodangal Lift Irrigation Scheme by sidelining the PRLI scheme. The BRS government had initiated measures to construct five reservoirs to store sufficient Krishna river water under the Palamuru Ranga Reddy Lift Irrigation (PRLI) scheme. However, Congress leaders filed cases and created hurdles, he said.

The BRS was not against the Narayanpet-Kodangal project, but under the PRLIS, sufficient water can be supplied to those areas through canals. Tenders were also floated but the Congress government suspended them, he said.

Hari Bhoomi - 04- February-2024

प्रदेश के वेटलैंड क्षेत्रों की रामसर साइट्स के रूप में पहचान के लिए होंगे प्रयास

तालाबों और जल स्रोतों के संरक्षण के लिए जनभागीदारी से चलाया जाएगा अभियान

विश्व वेटलैंड दिवस 2024 पर इंदौर के रामसर साइट सिरपुर में समारोह का हुआ आयोजन

पेड़-पौधों में प्राण होने का विश्वास भारतीय मानस में सांस्कृतिक रूप से रचा-बसा है: सीएम डॉ. यादव

कमल और जलकुंभी से बने पुष्पगुच्छों से हुआ अतिथियों का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि तालाबों व जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए प्रदेश में जनभागीदारी से गतिविधियों को अभियान का रूप दिया जाएगा।

इंदौर के तालाबों के साथ-साथ प्रदेश के अन्य वेटलैंड क्षेत्रों को रामसर साइट के रूप में घोषित कराने का प्रयास किया जाएगा। विश्व के सभी देशों में केवल भारत में ही देश को माता स्वरूप माना जाता है। वसुधैव कुटुम्बकम का सिद्धांत यह प्रतिपादित करता है कि संपूर्ण वसुधा हमारे लिए कुटुम्ब के समान है। हमारी संस्कृति में सभी प्रकार के जीव-जंतु, नदी-पहाड़-पर्वत में ईश्वर का स्वरूप माना गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विश्व वेटलैंड दिवस 2024 पर इंदौर के रामसर साईट सिरपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पौधों में जीवन होने के तथ्य को प्रमाणित करने वाले नोबल पुरस्कार से सम्मानित वैज्ञानिक हरगोविंद खुराना ने कहा था कि पेड़-पौधों में प्राण होने का विश्वास भारतीय मानस में सांस्कृतिक रूप से रचा-बसा है। उन्होंने विश्व में इस मान्यता को स्थापित करने मात्र के लिए वैज्ञानिक रूप से इसे प्रमाणित किया।

देश के रामसर साइट्स की डॉक्यूमेंट्री सहित किया अन्य पुस्तकों का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में भारत सरकार की ओर से वेटलैंड के रखरखाव पर विकसित मार्गदर्शिका, जर्नी ऑफ वैटलैंड कंजर्वेशन इन इंडिया, भारत की रामसर साइट्स पर केंद्रित पुस्तिका तथा वोटैनिकल सर्वे ऑफ इंडिया फ्लोरल डॉक्यूमेंट्री ऑफ रामसर साइट्स पुस्तकों का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वेटलैंड अमृत धरोहर और वेटलैंड के गाइड्स के लिए प्रशिक्षण सामग्री का डिजिटल विमोचन भी किया। इसके साथ ही वेटलैंड फॉर लाइफ विषय पर होने वाले फिल्म फेस्टिवल का टीजर भी जारी किया गया।

सीएम डॉ. यादव ने किया प्रदर्शनी का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वेटलैंड से प्राप्त होने वाले विभिन्न प्रकार के पदार्थ तथा उत्पादों पर लगाई गई प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ कर प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को यशवंत सागर के कमल और सिरपुर की जलकुंभी से बने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

सीएम डॉ. मोहन ने प्रभु श्रीराम के किए दर्शन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के खातीपुरा श्री राम मंदिर पहुंचकर प्रभु श्रीराम का पूजन किया। मुख्यमंत्री ने मल्लुक पीठाधीश्वर राजेंद्रदास देवाचार्य का आशीर्वाद भी लिया।

देवी अहिल्या एयरपोर्ट इंदौर में शुक्रवार को राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सौजन्य भेंट की।

Rashtradoot - 04- February-2024

'मोदी सरकार की नीयत साफ और लक्ष्य स्पष्ट'

- 'बजट स्पष्ट संकेत देता है कि आने वाले समय में सरकार किस दिशा और किन प्राथमिकताओं के साथ में काम करेगी'
- केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत की

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मोदी सरकार की नीयत साफ और लक्ष्य स्पष्ट है। उसके प्रति कहीं कोई संदेह नहीं है। वो लक्ष्य भारत को विकसित करना है। यह बात उन्होंने शनिवार सुबह जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कही। उन्होंने आज एक बार फिर सत्ता में लौटकर आने का करते हुये कहा कि पिछले दस साल में सरकार के गरीब, किसान, वंचित, शोषित, दलितों के कल्याण के लिए उठाए कदमों का नतीजा है कि 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। यह बात ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने अपनी रिपोर्ट में कही है। पिछले दस साल से जिस तरह से सरकार ने निरंतरता के साथ काम किया है। एक स्पष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक सुनिश्चित निश्चित मार्ग पर चलते हुए उस लक्ष्य की तरफ कई कदम आगे बढ़ाए हैं।

ईआरसीपी पर विपक्ष के सवाल उठाने पर उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम सवाल उठाना है। मेरा इतना प्रश्न है कि पांच साल तक वो सरकार में थे, तब उन्होंने इसे लटकाने, अटकाने और भटकाने के कितने प्रयास किए थे, पहले जनता को यह स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा पेश अंतरिम बजट पर कहा कि बजट एक ऐसी कॉन्फिडेंट सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया है, एक ऐसे आत्मविश्वास से लबरेज प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किया गया, जिसे इस बात का पूरा भरोसा है कि हम लौटकर फिर सरकार में आने वाले हैं। शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस विश्वास का प्रकटीकरण स्वतंत्रता दिवस के दिन लाल किले के प्राचीर से भी किया था, जब उन्होंने कहा था कि मैं अगले साल फिर लौटकर आऊंगा और आपको संबोधित करूंगा। उन्होंने कहा कि बजट स्पष्ट संकेत देता है कि आने वाले समय में सरकार किस दिशा और किन प्राथमिकताओं के साथ में काम करेगी।